

भारतीय सेना का थियेटराइज़ेशन

भारतीय सेना का थियेटराइज़ेशन



थियेटराइज़ेशन

- ❖ यह एक अवधारणा है जो तीनों सेनाओं- थल सेना, वायु सेना और नौसेना- की क्षमताओं को एकीकृत करने और युद्ध एवं ऑपरेशनों के लिये इनके संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने का प्रयास करती है।
- ❖ इसके तहत विशिष्ट थियेटर कमान/कमांड या यूनिट्स निर्मित की जाएंगी जो भौगोलिक (जैसे- किसी विशेष देश के साथ सीमा की निगरानी हेतु) अथवा थीम आधारित (जैसे- सभी प्रकार के समुद्री खतरों के लिये एक कमांड) हो सकती हैं।
- ❖ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) को संयुक्त/थियेटर कमांड की स्थापना का काम दिया गया है।
- ❖ अमेरिका और चीन सहित कई देशों के पास थियेटर कमांड हैं।

लाभ

- ❖ भारतीय सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं के बीच समन्वय
- ❖ एकजुट तथा सुगठित लड़ाकू बल
- ❖ तीनों सेवाओं के लॉजिस्टिक्स का उपयोग
- ❖ बेहतर सैन्य अनुकूलन
- ❖ संसाधनों का थियेटर विशिष्ट ऑप्टिमाइज़ेशन
- ❖ शीघ्र संघटन और खुफिया सूचनाओं का साझाकरण

चुनौतियाँ

- ❖ बजटीय आवंटन और वित्त का वितरण
- ❖ थियेटर कमानों के बहुलीकरण (एक से अधिक संख्या में होने) के कारण परिसंपत्तियों में बिखराव होना
- ❖ विभिन्न कमानों का नामकरण और अधिकार क्षेत्र
- ❖ थियेटर कमानों का नेतृत्व
- ❖ सशस्त्र सेवा प्रमुखों की शक्तियों का कमजोर होना

वर्तमान में कमान संरचना

- ❖ 17 एकल सेवा कमान
 - ❖ थल सेना-7
 - ❖ नौसेना-7
 - ❖ वायु सेना-3
- ❖ 2 त्रि-सेवा कमान [सामरिक बल कमान] तथा अंडमान और निकोबार कमान

शेकटकट समिति की सिफारिश (2015)

- ❖ 3 एकीकृत थियेटर कमानों की स्थापना:
 - ❖ उत्तरी-चीन सीमा
 - ❖ पश्चिमी-पकिस्तान सीमा
 - ❖ दक्षिणी-समुद्री सुरक्षा



